भारत में अवसरों का भंडार : सीतारमण

वाशिंगटन | एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शीर्ष अमेरिकी कंपनियों के कार्यकारी अधिकारियों से कहा कि भारत में निवेशकों और कारोबारी कंपनियों के लिए 'अवसरों का भंडार' है।

सीतारमण ने कई कंपनियों के सीईओ से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में भाग लेने के लिए वाशिंगटन में हैं।

मंत्रालय ने बताया कि एमवे के सीईओ मिलिंद पंत के साथ बैठक के दौरान अनुसंधान और विकास, विनिर्माण स्वचालन, नवोन्मेष और पोषण से जुड़े क्षेत्रों पर चर्चा की गई। वित्त मंत्री ने हाल में राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा मास्टर प्लान शुरू करने वाली राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन जैसी पहल और गुजरात में गिफ्ट सिटी में अवसरों के भंडार का उल्लेख किया। मंत्री ने 1998 के बाद से भारत में कंपनी की मौजूदगी एवं प्रदर्शन और आगामी वर्षों में निवेश करने की उसकी इच्छा को रेखांकित किया।

वाशिंगटन में गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बोइंग के मुख्य रणनीति अधिकारी बी मार्क एलन के साथ मुलाकात की। • प्रेट्र

बोइंग के मुख्य रणनीति अधिकारी बी मार्क एलन के साथ सीतारमण की बैठक के दौरान कौशल, अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण स्वचालन, नवोन्मेष और एयरोस्पेस क्षेत्रों के बारे में व्यापक चर्चा हुई। नोवावैक्स के सीईओ स्टेनली एर्क के साथ बैठक के दौरान, सीतारमण ने चिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान एवं विकास, स्वास्थ्य और कल्याण समेत स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में सुधारों की दिशा में अहम भारतीय पहलों और गुजरात की गिफ्ट सिटी में बढ़ते अवसरों पर बात की।

सीतारमण ने कहा कि सफल परिणामों की दिशा में चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन और पेरिस समझौते के सिद्धांतों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

यूएसआईबीसी ने भारत के सुधार पथ की प्रशंसा की

प्रभावशाली अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) के सदस्यों ने निर्मला सीतारमण के साथ बुधवार को बैठक में भारत के सुधार पथ की प्रशंसा की और विकसित होती भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास व्यक्त किया। यूएसआईबीसी ने भारतीय उद्योग परिसंघ के साथ मिलकर एक संवाद सत्र आयोजित किया था, जिसमें वित्त मंत्री अतिथि थीं। वित्त मंत्रालय ने बताया कि व्यापार जगत के नेताओं ने भविष्य में विकास के वास्ते मार्ग प्रशस्त करने के लिए मंत्री का शुक्रिया अदा दिया।